श्री नवग्रह आरती

https://pdffile.co.in/

॥ श्री नवग्रह आरती ॥

आरती श्री नवग्रहों की कीजै ।
बाध, कष्ट, रोग, हर लीजै ।।

सूर्य तेज़ व्यापे जीवन भर ।
जाकी कृपा कबहुत नहिं छीजै ।।

रुप चंद्र शीतलता लायें ।
शांति स्नेह सरस रसु भीजै ।।

मंगल हरे अमंगल सारा ।
सौम्य सुधा रस अमृत पीजै ।।

बुद्ध सदा वैभव यश लीये ।
सुख सम्पति लक्ष्मी पसीजै ।।

विद्या बुद्धि ज्ञान गुरु से ले लो ।
प्रगति सदा मानव पै रीझे।।

pdffile.co.in

https://pdffile.co.in/

शुक्र तर्क विज्ञान बढावै ।
देश धर्म सेवा यश लीजे ।।

न्यायधीश शनि अति ज्यारे ।
जप तप श्रद्धा शनि को दीजै ।।

राहु मन का भरम हरावे ।
साथ न कबहु कुकर्म न दीजै ।।

स्वास्थ्य उत्तम केतु राखै ।
पराधीनता मनहित खीजै ।।

****

pdffile.co.in

https://pdffile.co.in/

PDF Created by -
https://pdffile.co.in/

https://pdffile.co.in/